ॐ जय जगदीश हरे

Om Jai Jagdish Hare — Universal Aarti · Pt. Shraddha Ram Sharma (1870)

> ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे।
> भक्त जनों के संकट, दास जनों के संकट,
> क्षण में दूर करे॥ ॐ जय जगदीश हरे॥

जो ध्यावे फल पावे, दुख बिनसे मन का।
स्वामी दुख बिनसे मन का।
सुख सम्पति घर आवे, कष्ट मिटे तन का॥ ॐ जय...

मात-पिता तुम मेरे, शरण गहूँ मैं किसकी।
स्वामी शरण गहूँ मैं किसकी।
तुम बिन और न दूजा, आस करूँ मैं जिसकी॥ ॐ जय...

तुम पूरन परमात्मा, तुम अंतरयामी।
स्वामी तुम अंतरयामी।
पारब्रह्म परमेश्वर, तुम सबके स्वामी॥ ॐ जय...

तुम करुणा के सागर, तुम पालनकर्ता।
स्वामी तुम पालनकर्ता।
मैं मूरख खल कामी, कृपा करो भर्ता॥ ॐ जय...

तुम हो एक अगोचर, सबके प्राणपति।
स्वामी सबके प्राणपति।
किस विधि मिलूँ दयामय, तुमको मैं कुमति॥ ॐ जय...

दीनबंधु दुखहर्ता, तुम ठाकुर मेरे।

स्वामी तुम ठाकुर मेरे।

अपने हाथ उठाओ, द्वार पड़ा तेरे॥ ॐ जय...

विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा।

स्वामी पाप हरो देवा।

श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ, संतन की सेवा॥ ॐ जय...